an>

Title: Regarding Members of Parliament's comments Nation and religion outside the Parliament.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : सभापति महोदय, मेरा शून्यकाल सरकार के लिए कम सदन के लिए ज्यादा है। हमारे ही सदन के एक माननीय सदस्य के बयान को हम सबने टीवी पर सुना और आज अखबारों में भी पढ़ा होगा। मेरी एक प्रार्थना है, मैं किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहता। अगर भारत माता की जय के मामले जैसी टिप्पणियां सदन का निर्वाचित सदस्य करे...(व्यवधान) मुझे ऐसी कार्यवाही की अपेक्षा नहीं है। मैं विनम्रता के साथ सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि आपका धर्म और आपका मजहब किस बात की इजाजत देता है, यह आपका निजी मामला है। लेकिन अगर आप भारत माता की जय पर भी राजनीति करेंगे, हानि और लाभ की बात करेंगे तो मुझे लगता है कि देश को उकसाने की कार्यवाहियां हैं। उससे कहीं ज्यादा खतरनाक है कि हम सदन की मर्यादा को कहां लेकर जा रहे हैं। अगर मैं किसी धर्म को मानता हूं और वह इस बात की इजाजत नहीं देता तो सदन में खड़े होकर उनको यह बात स्पष्टता के साथ कहनी चाहिए ताकि यह आसन तय कर सके कि उन्हें यहां सदस्य रहने का अधिकार है या नहीं। यहां तमाम पार्टियों के लोग बैठे हुए हैं। राजनीति करने की सबको छूट है। जब चाहे आप अपना मुद्दा उठाएं। अगर हम गलती करते हैं तो हमें कटघरे में खड़ा करना चाहिए। संत परम्परा, परम्परा है, किसी धर्म की ठेकेदारी नहीं है। अगर कोई इस्लाम को मानने वाला फकीर है, कोई ईसाइयत को मानने वाला संत है तो हम श्रद्धा के साथ उस परम्परा का सम्मान करते हैं। आप ऐसे मजाक नहीं उड़ा सकते। इसके अलावा कोई कहे कि हम किसी पार्टी किसी जमात के हैं। अगर इस्लाम की बात की जाती है तो बाकी कानून भी उन्हें स्वीकार करना पड़ेगा कि चोरी में हाथ काटे जाएंगे। लेकिन तब आप धर्मनिरपेक्षता दुहाई नहीं दे सकते। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि ये बातें इस आधार पर सदन में नहीं होनी चाहिए। वह कोई सदन का सदस्य है तो मैं आपसे प्रार्थना करूंगा, यह अवसर उचित नहीं है। अगर सरकार सामने है तो मैं उससे प्रार्थना करूंगा कि कहीं न कहीं स्पष्टीकरण सख्ती से मांगा जाना चाहिए। सरकार जवाबदेह नहीं है, यह सदन जवाबदेह है। ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल: मैं सभी से प्रार्थना करता हूं। इसलिए मैंने कहा है कि यह सरकार का विषय नहीं है, यह पूरी तरह सदन की मर्यादा का सवाल है। श्री ओवेसी जैसे लोगों को सदन में अपनी बात स्पष्ट करनी चाहिए ताकि तय हो सके कि आप संविधान की मर्यादा को मानते हैं।..(व्यवधान) आपने बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।...(व्यवधान)

माननीय सभापति :

श्री गणेश सिंह,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री पी.पी. चौधरी,

श्री दहन मिश्रा,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

डा. सत्यपाल सिंह,

श्री शरद त्रिपाठी,

डा. मनोज राजोरिया,

श्री सी.पी. जोशी तथा

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री प्रह्लाद सिंह पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: It is not going on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): Sir, I am an Indian. I also love my country. I also say 'Bharat Mata ki Jai', but it is improper and unfair to politicize an issue like how I address my mother.

HON. CHAIRPERSON: No, it will not go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *